No. of Printed Pages/Questions: 7 / 15

O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Annual Examination - (2025 – 2026)

Class / Section: VII **MM: 80**

Subject: Hindi **Time: 3:00 Hrs**

Name: _____ Roll No.:_____

(Fifteen Minutes Extra will be given for reading the Question Paper.)

सामान्य निर्देश:

(1) इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'। खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित बहुविकल्पीय व लघूत्तरात्मक और खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण संबंधी लघूत्तरात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) खंड 'ग' में पाठ्य–पुस्तक व पूरक पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न तथा खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन संबंधी दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रश्न–पत्र के चारों खंडों में प्रश्नों की संख्या 15 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खंड 'क' अपठित बोध (14 अंक)

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 1X3+2X2=7

लोग अपनी असफलताओं के लिए या जीवन में गतिरोध के लिए हालातों को जिम्मेदार ठहराते हैं, वे लोग या तो गलत हैं या हालात से डरते हैं। वे या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फँसे हुए हैं। वे या तो आलसी हैं या अकर्मण्य हैं। एक कारण और भी हो सकता है कि उनकी नीयत और नीति में मेल न हो।

यह अति आवश्यक है कि नीयत और नीति दोनों एक सूत्र में पिरोई हुई हों अर्थात् मेल खाती हों। ऐसा कदापि संभव नहीं है और नीयत मानसिक इच्छा है, जो खोटी भी हो सकती है और खरी भी। खोटी नीयत वाला व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक सकता और यदि टिकेगा, तो - बहुत कम समय के लिए, केवल तब तक, जब तक उसकी नीयत खुलकर सामने नहीं आती, क्योंकि नीति की जननी नीयत है और जब जननी में ही दोष है, तो संतान में कोई-न-कोई विकृति अवश्य आ जाएगी।

हालातों को असफलता के लिए जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं लगता, क्योंकि हालात तो उनके साथ भी वही होते हैं या लगभग वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी खुद नहीं ले सकता, तो वह अपनी सफलता की जिम्मेदारी लेने के काबिल नहीं है। जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हों।

(i). किस तरह के लोगों की नीयत और नीति में मेल नहीं रहता है?

(क) अकर्मण्य व आलसी लोग (ख) हालात को जिम्मेदार ठहराने वाले लोग

(ग) जीवन को न समझने वाले लोग (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए।

कथन (A) वह व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक पाता।

कारण (R) यदि व्यक्ति की नीयत गलत व खोटी है।

(क) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(ख) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

(iii) असफलता के लिए किसे जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं माना गया है?

(i) ईश्वर को

(ii) प्रकृति को

(iii) हालातों को

(iv) काबिल व्यक्ति को

कूट

(क) केवल कथन (iii) सही है।

(ख) कथन (i), (ii) और (iv) सही हैं।

(ग) कथन (ii), (iii) और (iv) सही हैं।

(घ) कथन (i), (ii) और (iv) सही हैं।

(iv) लेखक ने किसे नीति की जननी' कहा है और क्यों ?

(v) गद्यांश के अनुसार जीवन का असली आनंद कब मिलता है

प्र02 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 1X3+2X2=7

मैं बचपन को बुला रही थी
बोल उठी बिटिया मेरी।
नंदन वन-सी फूल उठी यह छोटी-सी कुटिया मेरी।
'माँ ओ' कहकर बुला रही थी
मिट्टी खाकर आई थी।
कुछ मुँह में, कुछ लिए हाथ में
मुझे खिलाने आई थी।
पुलक रहे अंग, दृगों में
कौतूहल था छलक रहा।
मुँह पर थी आह्लाद लालिमा,
विजय-गर्व था झलक रहा।
मैंने पूछा, "यह क्या लाई?"
बोल उठी वह, "माँ काओ"
हुआ प्रफुल्लित हृदय खुशी से
मैंने कहा- "तुम्हीं खाओ"
पाया मैंने बचपन फिर से,
बचपन बेटी बन आया,

उसकी मंजुल मूर्ति देखकर
मुझमें नवजीवन आया।
मैं भी उसके साथ खेलती
खाती हूँ, तुतलाती हूँ।
मिलकर उसके साथ स्वयं
मैं भी बच्ची बन जाती हूँ।
जिसे खोजती थी बरसों से
अब जाकर उसका पाया।
भाग गया था मुझे छोड़कर
वह बचपन फिर से आया।

(i) कथन (A) **और कारण** (R) **को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए।**

कथन (A) जिसे खोजती थी बरसों से अब जाकर उसको पाया।

कारण (R) भाग गया था मुझे छोड़कर वह बचपन फिर से आया।

(क) कथन (A) गलत है और कारण (R) सही है

(ख) कथन (A) सही है और कारण (R) गलत है

(ग) कथन (A) की कारण (R) सही व्याख्या करता है

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं

(ii) पुलक रहे अंग, दृगों में कौतूहल था छलक रहा। मुँह पर थी आह्लाद लालिमा, विजय-गर्व था झलक रहा। उपर्युक्त पंक्ति में 'दृग' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) आँख (ख) चेहरा

(ग) गाल (घ) ललाट

(iii) कवयित्री बचपन को फिर से क्यों पाना चाहती है? कथन को पढ़कर सही विकल्प को चुने-

(i) क्योंकि बचपन में कोई काम नहीं करना पड़ता

(ii) बचपन के दिनों को दोबारा पाना चाहती है

(iii) क्योंकि बचपन का जीवन निश्छल और चिंतारहित होता है

कूट

(क) केवल कथन (i) सही है। (ख) कथन (i), (ii) और (iii) सही हैं

(ग) कथन (ii) और (iii) सही हैं (घ) कथन (ii) और (iii) सही हैं

(iv). काव्यांश के अनुसार, मुख पर विजय-गर्व झलकने का क्या कारण था?

(v) कवयित्री ने किस रूप में अपने बचपन को पुनः पा लिया था ?

खंड 'ख' व्यावहारिक व्याकरण (16 अंक)

प्र0 3 नीचे दिए प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) 'सभी फल हाथोंहाथ बिक गए।' वाक्य के रेखांकित पद में क्रियाविशेषण का कौन–सा भेद है ?

ख) दादा जी कल मुंबई घूमने जाएँगे। वाक्य के रेखांकित पद में क्रियाविशेषण का कौन–सा भेद है ?

ग) **'के कारण'** संबंधबोधक का प्रयोग करके एक वाक्य बनाइए।

घ) 'मेरे घर के सामने मंदिर है।' इस वाक्य में से संबंधबोधक अव्यय छाँटकर लिखिए।

ङ) क्रियाविशेषण के कितने भेद होते हैं ? उनके नाम लिखिए

प्र04 नीचे दिए प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) 'पिता जी बाजार जा रहे हैं।' वाक्य में वर्तमान काल का कौन–सा भेद है ?

ख) संदिग्ध वर्तमान काल का एक उदाहरण लिखिए।

ग) बच्चे मैदान में बैठकर पढ़ेंगे। भविष्यत काल के किस भेद का उदाहरण है।

घ) हेतुहेतुमद भूतकाल का एक वाक्य बनाकर उदाहरण लिखिए।

ङ) भूतकाल के कितने भेद होते हैं ?

प्र0 5 नीचे दिए प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) समुच्चयबोधक के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए।

ख) 'इसलिए' समुच्चयबोधक का प्रयोग करके एक वाक्य लिखिए।

ग) 'यदि', 'तो' दोनों समुच्चयबोधकों का प्रयोग कर एक वाक्य बनाइए।

घ) 'शाबाश!' विस्मयादिबोधक का प्रयोग कर एक वाक्य बनाइए।

ङ) 'छिः!' विस्मयादिबोधक का प्रयोग कर एक वाक्य बनाइए।

प्र0 6 नीचे दिए प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– **(1X4=4)**

क) रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए।

ख) 'पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।' वाक्य में से उद्देश्य और विधेय पृथक कीजिए।

ग) 'ईश्वर तुम्हें सफलता दे।' अर्थ के आधार पर वाक्य भेद पहचानिए।

घ) संयुक्त वाक्य का कोई एक उदाहरण लिखिए।

ङ) 'लेखिका को देखकर नीलकंठ नृत्य की मुद्रा में खड़ा हो जाता था।' वाक्य को प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए।

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक (30 अंक)

प्र0 7 नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(1X5=5)**

पिछले दस-पंद्रह वर्षों से हमारी खानपान की संस्कृति में एक बड़ा बदलाव आया है। इडली-डोसा-बड़ा-साँभर-रसम अब केवल दक्षिण भारत तक सीमित नहीं हैं। ये उत्तर भारत के भी हर शहर में उपलब्ध हैं और अब तो उत्तर भारत की 'ढाबा' संस्कृति लगभग पूरे देश में फैल चुकी है। अब आप कहीं भी हों, उत्तर भारतीय रोटी-दाल-साग आपको मिल ही जाएँगे। 'फ़ास्ट फूड' (तुरंत भोजन) का चलन भी बड़े शहरों में खूब बढ़ा है। इस 'फ़ास्ट फूड' में बर्गर, नूडल्स जैसी कई चीजें शामिल हैं। एक ज़माने में कुछ ही लोगों तक सीमित 'चाइनीज़ नूडल्स' अब संभवतः किसी के लिए अजनबी

नहीं रहे।

(i) किस बात में बदलाव आया है?

(क) वेशभूषा में (ख) सोचने-विचारने में

(ग) खानपान की संस्कृति में (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) खान-पान की संस्कृति में बदलाव कितने वर्षों में आया?

(क) पाँच-सात वर्षों में (ख) दस-पंद्रह वर्षों में

(ग) पंद्रह-बीस वर्षों में (घ) बीस-पच्चीस वर्षों में

(iii) 'ढाबा संस्कृति' कहाँ तक फैल चुकी है?

(क) पूरे देश में (ख) दक्षिण भारत तक

(ग) उत्तर भारत तक (घ) पूरे विश्व में

(iv) बड़े शहरों में किसका प्रचलन बढ़ा है?

(क) फ़ास्ट फूड का (ख) साँभर-डोसा का

(ग) दाल रोटी का (घ) खान-पान का

(v) उत्तर भारत की ढाबा' संस्कृति पर क्या परिणाम हुआ है?

(क) पूरी तरह समाप्त हो गई (ख) पूरे देश में फैल गई है

(ग) सीमित जगहों पर ही उपलब्ध है (घ) कोई परिवर्तन नहीं हुआ

प्र08 नीचे दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (25–30) शब्दों में लिखिए–(2X4=8)

क) 'मयूर कलाप्रिय वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं। कैसे ? 'नीलकंठ' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

ख) वीर कुँवर सिंह की वीरता के कुछ उदहारण लिखिए।

ग) वीर कुँवर सिंह का मन बचपन में किन कामों में अधिक लगता था ?

घ) धनराज के स्वभाव की नकारात्मक विशेषता क्या थी ?

ङ) अहमादाबाद में स्थापित आश्रम के मसविदे से क्या पता चलता है ?

प्र09 नीचे दिए काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए– (1X5=5)

जागो बंसीवारे ललना !
जागो मोरे प्यारे !
रजनी बीती , भोर भयो है , घर – घर खुले किंवारे।

गोपी दही मथत , सुनियत हैं कंगना के झनकारे ।।
उठो लालजी ! भोर भयो है , सुर – नर ठाढ़े द्वारे।
ग्वाल – बाल सब करत कुलाहल , जय – जय सबद उचारै ।।
माखन – रोटी हाथ मँह लीनी , गउवन के रखवारे।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर , सरण आयाँ को तारै ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का नाम और लेखक का नाम चुनिए–

(क) पाठ का नाम- भोर और बरखा , कवयित्री का नाम- मीरा बाई

(ख) पाठ का नाम- रहीम के दोहे, लेखक- रहीम

(ग) पाठ का नाम- सूरदास के पद, लेखक- सूरदास

(घ) पाठ का नाम- एक तिनका, लेखक का नाम- हरिऔध जी

(ii) रजनी बीतने पर क्या होता है?

(क) सुबह हो जाती है। (ख) सभी घरों के दरवाजे खुल जाते हैं।

(ग) गोपियाँ दही को मथकर मक्खन निकालती है। (घ) उपर्युक्त सभी

(iii) ग्वालों ने हाथ में क्या ले रखा है?

(क) रोटी (ख) माखन

(ग) क और ख दोनो (घ) लाठी

(iv) सभी लोग किसकी जय – जयकार कर रहे हैं?

(क) कान्हा जी की (ख) यशोदा जी की

(ग) नंद बाबा जी की (घ) ग्वालों की

(v) 'कुलाहल' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) शोर (ख) धूम

(ग) कुहराम (घ) उपर्युक्त सभी

प्र010 नीचे दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर (25–30) शब्दों में लिखिए– (2X3=6)

क) 'भोर और बरखा' कविता के आधार पर सावन की विशेषताएँ लिखिए।

ख) कवि की 'समझ' अर्थात 'बुद्धि' ने उसे क्या ताने दिए ? 'एक तिनका' पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए।

ग) सावन में मीरा का मन उमंग से क्यों भर गया है ?

घ) 'एक तिनका' कविता में किस घटना की चर्चा की गई है, इस घटना से हमें क्या सन्देश मिलता है?

प्र0 11 नीचे दिए गए प्रश्नों में से किन्हों दो प्रश्नों के उत्तर (40–50) शब्दों में लिखिए– **(3x2=6)**

क) पांडवों को चक्रव्यूह में प्रवेश करने से किसने और कैसे रोका?

ख) द्रोणाचार्य को मारने के लिए पांडवों ने क्या योजना बनाई ?

ग) धृतराष्ट्र के क्रोध से भीम की रक्षा कैसे हुई ?

खंड 'घ' रचनात्मक लेखन (20 अंक)

प्र0 12 दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **(6x1=6)**

(क) **ग्लोबल वार्मिंग**

संकेत बिंदु * ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है? * दुष्परिणाम * बचाव तथा उपसंहार

(ख) विज्ञापन और हमारा जीवन

संकेत बिंदु * विज्ञापन का उद्देश्य * भूमिका * प्रकार * सामाजिक दायित्व

(ग) ई-कचरा

संकेत बिंदु * ई-कचरा से तात्पर्य * चिंता का कारण * उपाय

प्र0 13 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए– **(1x5=5)**

आपके क्षेत्र में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। इसकी शिकायत करते हुए अपने जिले के वन-निरीक्षक को पत्र लिखिए।

अथवा

प्रातःकालीन सैर के लाभों का वर्णन करते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्र0 14 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर सूचना लिखिए – **(5x1=5)**

अपने विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने के लिए एक सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

गुमशुदा लड़के की तलाश हेतु अखबार में प्रकाशित करने हेतु सूचना तैयार कीजिए।

प्र0 15 दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर विज्ञापन लिखिए– **(1x4=4)**

प्रदूषण से बचने के लिए जनहित में जारी एक विज्ञापन पर्यावरण विभाग की ओर से लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।

अथवा

मोबाइल की बिक्री बढ़ाने हेतु विज्ञापन लिखिए ।

———000———